



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2013

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

70 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 6 pages. Please check that your question paper is complete.
 2. Read the instructions to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the answer book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.
-

प्रश्न एक

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

(३०)

पत्र

नैनी जेल

२६ अक्टूबर

१९३०

प्रिय इंदिरा

जन्मदिन पर तुम्हें कई उपहार मिलते रहे हैं। शुभकामनाएँ भी दी जाती रही हैं। पर मैं इस जेल में बैठा तुम्हें क्या उपहार भेज सकता हूँ? हाँ मेरी शुभकामनाएँ सदा तुम्हारे साथ रहेंगी।

क्या तुम्हें याद है कि जोन आफ आर्क की कहानी तुम्हें कितनी अच्छी लगी थी? तुम स्वयं भी तो उसी की तरह बनन चाहती थी। पर साधारण पुरुष तथा स्त्रियाँ इतने साहसी नहीं होते। वे तो अपने प्रतिदिन के कामों, बाल बच्चों तथा घर की चिंताओं में ही फँसे रहते हैं। परंतु एक समय आ जाता है कि किसी महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी लोगों में असीम उत्साह भर जाता है। साधारण पुरुष वीर बन जाते हैं और स्त्रियाँ वीरांगनाएँ।

आजकल हमारे भारत के इतिहास का निर्माण हो रहा है। बापूजी ने भारतवासियों के दुखों को दूर करने के लिए आंदोलन छेड़ा है। मैं और तुम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि यह आंदोलन हमारी आँखों के सामने हो रहा है और हम भी इसमें कुछ भाग ले रहे हैं। एक महान उद्देश्य हमारे सामने है और हमें इसकी पूर्ति के लिए बहुत कुछ करना है। अब सोचना यह है कि इस महान आंदोलन में हमारा कर्तव्य क्या है। इससे हम किस तरह भाग ले?

परन्तु जो कुछ भी हम करें हमें इतना अवश्य स्मरण रखना चाहिए कि उससे हमारे देश को हानि न पहुँचे। कई बार हम संदेह में भी पड़ जाते हैं कि हम क्या करें। यह निश्चय करना कोई सरल कार्य नहीं है। जब भी तुम्हें ऐसा संदेह हो तो ठीक बात का निश्चय करने के लिए मैं तुम्हें एक छोटा सा उपाय बताता हूँ। तुम कोई भी काम ऐसा न करना जिसे दूसरों से छिपाने की इच्छा तुम्हारे मन में उठे। किसी बात को छिपाने की इच्छा तभी होती है तुम कोई गलत काम करती हो।

अच्छा बेटी । अब विदा ।
भारत की सेवा के लिए तुम बहादुर सिपाही बनो यही मेरी शुभकामना है ।

तुम्हारा पिता

जवाहरलाल

- १.१ यह पत्र किसने , किसको और कहाँ से लिखा? (२)
- १.२ “आंदोलन” शब्द को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ? (४)
- १.३ यह पत्र किस अवसर पर लिखा गया था ? (४)
- १.४ साधारण पुरुष वीर कब और क्यों बन जाते हैं ? (४)
- १.५ उनके सामने क्या उद्देश्य थे? (४)
- १.६ अवतरण में से समानार्थी शब्द लिखिए ।
- १.६.१ रोज १.६.२ घड़ी
- १.६.३ आदमी १.६.४ कथा (४)
- १.७ अवतरण में से विलोम शब्द लिखिए ।
- १.७.१ सीमा १.७.२ सुख
- १.७.३ लाभ १.७.४ कठिन (४)
- १.८ मैं और तुम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि यह आंदोलन हमारी आँखों के सामने हो रहा है और हम भी इसमें कुछ भाग ले रहे हैं ? क्यों , हिन्दी में समझाइए । (४)

[३०]

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

जंगल में एक पेड़ के नीचे एक शेर सोया पड़ा था । पास ही बिल में एक चुहिया रहती थी । एक भेड़िया नदी पर पानी पी रहा था । उससे थोड़ी दूर नीचे की ओर एक मेमना पानी पी रहा था । वह बिल से बाहर निकली और सूँघती सूँघती शेर पर जा चढ़ी । भेड़िये ने उसे देखा और उसका जी ललचाया कि इसे खा लूँ । शेर की आँख खुल गई । किन्तु उसने सोचा कोई बहाना अवश्य होना चाहिए कि मैंने इसके साथ अन्याय नहीं किया । उसने चुहिया को पकड़ लिया और गरज कर बोला, “अरी ढीठ बता तुझे अभी मार दूँ ऋ”

भेड़िया मेमने के पास गया और बोला, “अरे शैतान! तू हमारा पानी जूठा क्यों कर रहा है?” चुहिया ने काँपते हुए पंजे जोड़ कर प्रार्थना की, “महाराज! आप जंगल के राजा हैं। मेरा अपराध क्षमा कर दें।”

मेमने ने विनती की, “श्रीमान पानी तो आपकी ओर से मेरी ओर बह रहा है। मैं इसे जूठा कैसे कर सकता हूँ?” शायद किसी दिन मैं आपके काम आ सकूँ।”

“शायद ऐसा ही होगा” भेड़िये ने लज्जित होकर कहा, “पर यह तो बता तूने पिछले वर्ष हमें गाली क्यों दी थी?” शेर मुस्कराया। उसने कहा, “मैंने तुझे क्षमा किया।”

मेमने ने काँपते हुए कहा, “महाराज! पिछले वर्ष तो मैं पैदा भी नहीं हुआ था।” किन्तु तू जरा सी चुहिया मेरा क्या सँवार सकती है? भेड़िये ने सिटपिटा कर कहा, “अच्छा तू न होगा तो तेरा बाप होगा।”

कुछ दिनों के बाद एक शिकारी उधर आ निकला। उसने अपना जाल बिछाया और संयोग से शेर उसमें फँस गया। अब मैं अपना भोजन कैसे छोड़ सकता हूँ।” शेर रस्सियों में जकड़ा दहाड़ रहा था। चुहिया ने शेर की दहाड़ सुनी। और यह कह कर वह बेचारे मेमने पर दूट पड़ा। वह दौड़ी दौड़ी गई। उसने जाल की रस्सियाँ कुतर डाली और शेर को स्वतन्त्र कर दिया।

[१०]

प्रश्न ३

३.१ निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

RANBAX
GLOBAL CONSUMER HEALTHCARE

**चेरीकॉफ का ट्रिपल ऐक्शन
दे पल भर में आराम**

खाँसी से आराम

सर्दी से राहत

बंद नाक खोलें

चेरीकॉफ का ट्रिपल ऐक्शन ए डी ए फार्मूला दे राहत खाँसी, सर्दी और बंद नाक से। तो जैसी भी हो खाँसी जल्द राहत के लिए लीजिए चेरीकॉफ।
अब खाँसी से आपका कोई रिश्ता नहीं।

NON-ADDICTIVE
100%
NON-ALCOHOL BASED

RICOF
FORMULA

३.१.१ इस विज्ञापन में क्या विज्ञापित किया गया है ?

(१)

३.१.२ “अब खाँसी से आपका कोई रिश्ता नहीं” :

३.१.२.१ इस वाक्य का क्या अर्थ है ?

(२)

३.१.२.२ ये क्यों बड़े अक्षरों में है ?

(२)

- ३.१.३ इस वस्तु को इस्तमाल करने से क्या लाभ मिलते हैं ? (४)
- ३.१.४ बच्चों, लड़की और पुरुष का तस्वीरें क्यों प्रयोग किया गया है ? (३)
- ३.१.५ एक भावात्मक वाक्य विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनका अर्थ भी बताई ? (६)

[१८]

३.२ निम्न चित्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।



- ३.२.१ इस चित्र में आप क्या दृश्य देख सकते हैं ? उत्तर का कारण लिखिए । (४)
- ३.२.२ रिमोट पुरुष के हाथों में है : (२)
- ३.२.२.१ क्या दोनों खुश हैं ? कारण लिखिए । (२)
- ३.२.२.२ आप के अनुसार क्या यह स्थिति बने रहगी ? अपने शब्दों में समझाइए । (४)
- ३.२.३ चित्र से क्या संदेश मिलते हैं ? क्या दोनों दोस्त हैं या उनके बीच कुछ और रिश्ता है ? चित्र वर्णन करते हुए कारण बताइए । (२)

[१२]

[३०]

Total: 70 marks